Assignment – II
Programme – B.A. (Hons) Philosophy 1st Sem.
Course- Outline of Indian Philosophy-A
PHLC – 111
Last date of Submission:-23 Oct. 2017

Instructions:-

1. **Write the assignment in your own handwriting.**
2. **Submit assignment to your HOD within given time.**
3. **Write your name, program and enrolment number clearly at the top of the Page.**

1.
(अ) चार्वाक दर्शन की स्वार्थमूलक सुखवाद से आप क्या समझते है? – विचार करें।
(ब) स्यावाद जैनदर्शन की एक अटूट परंपरा है– इस संदर्भ में आप क्या समझते है?

2.
(अ) जैन अनेकान्तवाद दर्शन के विषय में आप अपने विचार को किस प्रकार समझा सकते है?
(ब) बौद्ध दर्शन के चार आर्य सत्य को एक प्राथमिक तत्व माना जाता है– आप इससे क्या समझ सकते है?

Assignment – II
Programme – B.A. (Hons) Philosophy 1st Sem.
Course- History of western Philosophy-A
PHLC – 112
Last date of Submission:-23 Oct. 2017

Instructions:-

1. **Write the assignment in your own handwriting.**
2. **Submit assignment to your HOD within given time.**
3. **Write your name, program and enrolment number clearly at the top of the Page.**

1.

(अ) प्लेटो की ज्ञानमीमांसा अत्यन्त महत्वपूर्ण है– जिसके कुछ बिन्दुओं पर प्रकाश डालें।

(ब) प्लेटो के अनुसार 'शुभ' का प्रत्यय क्या है?

2.

(अ) अरस्तु (Aristotle) के तत्व विद्या दर्शनशास्त्र का महत्वपूर्ण अंग है– विचार करें।

(ब) "द्रव्य" के विश्लेषण से लेकर कारणता का सिद्धांत एक परिवर्तन को निर्द्यारित करते है। इस संदर्भ में अरस्तु के कारणता सिद्धांत पर प्रकाश डालें।